बच्चों के खेल का समर्थन

बच्चे खेल के माध्यम से ही अपनी दुनिया की तलाश करते, और उसे पाते हैं। खेल का सार है खुला चयन, अर्थात क्या करना है, कब करना है और किस के साथ करना है। तेजी से बदल रही इस दुनिया में बच्चों को खेल के दौरान चयन करने के हुनर को सीखना, और उसका अभ्यास करना है।

उमर में बडे लोग बच्चों के साथ खेल सकते हैं (दस महीने के बच्चे के साथ पिक-अ-बू) या बच्चों के लिए खेल का सामान कर सकते हैं जेसे सॉकर टीम की कोचिंग। वे बिना सीधे तौर पर उनके खेल में भाग लिए, उनका समर्थन भी कर सकते है। इसके लिए कुछ सुझाव हैं जिन से बच्चों के खेलने को उन्हीं के हाथ में छोडते हुए अधिक समृद्ध बनाया जा सकता है।

समय देना

- बच्चे जब दिन भर नियोजित गति विधियां कर चुकें तो उन्हें खेलने का समय दें। खेलने से उन्हें सीखी हुई बातों को गठित करने में सहायता मिलती है।
- नियोजित गतिविधि (स्विमिंग, जिमनासटिक, पियानो आदि) में लगा हुआ समय, खेलने के समय में नही आता। सीखे हए हुनर का उपयोग वे बाद में खेल के दौरान कर सकते हैं, लेकिन बाकायदा सिखलाई में खुले चयन का असली तत्व नहीं रहता।

स्थान जुटाना

- अपने घर को छोटे बच्चे के अनुकूल बनाइए जिससे वह खुल कर उसमें विचर सके। अपने चार साल वाले को प्लेपैन जुटाएं। उसमें वह छोटे बच्चे की पहुंच से बाहर आर्ट के प्रौजैक्ट व लीगो बनाने का खेल कर सकता है।
- बच्चों को घर के अन्दर और बाहर खेलने के अलग अलग ठिकानों पर ले जाएं। स्थानीय पार्क और पारिवारिक सन्साधन केन्द्र उन्हें भिन्न प्रकार के खेलों के लिए प्रेरित करेंगे।
- पुरानी मैटरस को बेसमैंट में डाल दें और उसपर उन्हें कलाबाजी आदि करने दें।
- खेल शायद ही साफ सुथरा होता हो। इस लिए थोडे मैलेपन और गडबडी को सहन करने के लिए तैयार रहें। ऊपरी भाग कागज या प्लासटिक शीट लगा कर सुरक्षित करलें जिससे बाद में सफाई आसान हो जाय। चीजों की संभाल को बच्चों के स्तर के शैल्फों व पारदर्श बक्सों में डाल कर आसान बनाएं।

सामान जुटाना

- मजा लेने के लिए खिलौनों का कीमती या विस्तृत होना आवश्यक नहीं है। असल में बच्चे खिलौनों की पैकिजिंग पर अधिक मोहित होते हैं क्योंकि उनकी कल्पना शक्ति उनका कुछ से कुछ बना डालती है।
- कभी कभी नए अंश का समावेश खेल को समृद्ध बना देता है और उसमें नई जान डाल देता है। खेल के टेबल पर कुछ नया लाकर लगा दीजिए। खिलौनों के भंडार में हर महीने एक नया खिलौना जोड दीजिए।
- खुले या ढीले ऐसे कल परजो* के संग्रहकर्ता बन जाइए जिन्हें कई तरीकों से जोडा जा सके। ये कुछ उदाहरण हैं : बडे बडे ब्लाक, अलग अलग आकार के डिब्बे, खेलने के लिए घर के साने हुए पदार्थ, औजारों के छोटे माडल, पोशाकें, हैट, पार्क से लिए जंक के टुकडे। ये सब चीजें बच्चों में खेलने के नए विचारों की सृजना करती हैं, और वे अपने खिलौनों को जोडते हुए, उनकी बहुत सी संभावनाएं खोज निकालते हैं।

साथी जुटाइए

- जब भी आपको कहा जाय, आप बच्चों के खेल में आवश्य शामिल हो जायं। लेकिन याद रहे कि खेल का संचालन उन्हीं के हाथ में रहे। फैसले वे ही करेंगे, और आप उन्हें मानेंगे।
- खेल के लिए बनाए समूहों में दोस्तों को बुलाइए या अपने बच्चों को उनमें ले जाइए। चार साल का कोई बच्चा शायद फाइरमैन के खेल में आप से अधिक ध्यान की जमावट का परिचय दे सके।

प्रतिपुष्टि कीजिए

- एक बार आप ने खेल का सामान कर दिया, अब पीछे हट जाइए और खेल को सामने आने दीजिए। किसी भारी चीज को हटाने के लिए या असुरक्षित खेल को फिर से ठीक तरह चालू करने के लिए आपकी मदद की आवश्यकता हो सकती है, मगर बच्चों को अपने मसले स्वयं सुलझाने दें। जब वे बहस कर रहे हों, तो याद रहे कि उनके लिए असल में गेम को खेलने से अधिक उसे कैसे खेला जाय के सवाल का महत्व अधिक हो सकता है।
- बच्चों की कोशिश का आदर करें। उन्हें स्वयं पता लेने दें कि कौन सा तरीका ठीक है और कौन सा नहीं। वे तब तक अपनी समस्या स्वयं सुलझाना नहीं सीख पाएंगे जब तक सदा कोई बडा उनके लिए उसे सुलझाता रहेगा। बच्चों पर यह बात प्रकट करें कि उनका खेल महत्वपूर्ण है।
- बिना वजह दखल न दें। जब खेल की समाप्ति का समय आए तो उन्हें अच्छी तरह सावधान करें।
- किसी विशेषकर सफल खेल के वृतान्त को सोने से पहले की कहानी का रुप दें। "एक बार कुछ बच्चों को एक लाल पटके वाले जादूगर ने चूहे बना डाला, और जादू की भाषा में बोला ..." बच्चे अपने खेल को पहचान जायंगे और फिर से खेलेंगे।

खेल की अपनी भावना को जीवित रखो। अपने अन्दर के बच्चे का पोषण करो !

बैटसी मान

बैटी जोन्स की 'पैसिफिक ओक्स कालेज, कैलेफोरनिया की वर्कशॉप के नोटों के साथ।

*साइमन निकोलसन, *लैंडस्केप आरकीटैक्चर* 1971, *"बच्चों को कैसे धोका न दिया जाय : द थ्यूरी ऑफ लूज़ पार्टस"*

Enfants qui jouent, adultes qui appuient

Les enfants explorent et découvrent le monde au moyen du jeu, quand ils ont la liberté du choix des activités. En jouant, ils apprennent à faire des choix, habileté qu'il faut encourager dans un monde en évolution rapide.

Les adultes peuvent *jouer avec* les enfants (souffler des bulles avec son bébé) ou ils peuvent *organiser* leurs jeux (être entraîneur d'une équipe de soccer). Ils peuvent aussi *appuyer* le jeu des enfants sans intervenir directement. Voici quelques suggestions pour enrichir les jeux des jeunes tout en leur laissant le contrôle.

Le temps

- Laissez du temps libre aux enfants après qu'ils ont passé une journée à faire des activités structurées. En jouant, ils peuvent mieux intégrer ce qu'ils ont appris.
- En suivant des cours (natation, gymnastique, piano, etc.), les enfants acquièrent des habiletés dont ils se serviront plus tard en jouant. Durant les leçons, par contre, il manque l'élément essentiel du jeu : le libre choix.

L'espace

- Rendez votre maison à l'épreuve du bébé explorateur. Mettez votre enfant de quatre ans dans le parc à bébé pour qu'il puisse travailler ses projets d'art et de construction hors de la portée du bébé.
- Variez les lieux de jeu que vous offrez, à l'extérieur et à l'intérieur. Les parcs et les centres de ressources pour la famille stimuleront des jeux différents.
- Mettez un vieux matelas au sous-sol pour encourager les enfants à faire des acrobaties et développer leur motricité globale.
- Quand les enfants jouent, leur priorité est rarement l'ordre ou la propreté. Protégez les surfaces avec des journaux et des bâches en plastique pour faciliter le nettoyage. Facilitez le rangement en plaçant des bacs transparents sur des tablettes au niveau de l'enfant.

Les matériaux et l'équipement

- Il n'est pas nécessaire d'acheter des jouets chers et élaborés. Les enfants sont souvent attirés davantage par l'emballage qui, à l'aide de leur imagination fertile, peut se transformer en mille et une choses.
- Ajoutez un nouvel élément de temps en temps pour enrichir l'environnement de jeu. Mettez une presse-ail sur la table de la pâte à modeler. Devenez membre d'une joujouthèque et empruntez de nouveaux jouets.
- Commencez une collection de « pièces détachées »* qui peuvent être utilisées de différentes façons. Voici quelques exemples : de gros blocs de bois, des boîtes de diverses grandeurs, de la pâte à modeler, des accessoires tels des outils en version réduite, des déguisements tels chapeaux et capes, des trouvailles des excursions au parc. Tous ces objets permettent aux enfants de jouer avec les idées et de créer leurs propres jouets.

Les compagnons de jeu

- Participez aux jeux de vos enfants si vous y êtes invité, mais laissez-les prendre les devants. Ils prennent les décisions et vous suivez.
- Invitez des amis chez vous ou amenez vos enfants dans un groupe de jeu. Un autre enfant de son âge jouera probablement plus longtemps aux pompiers que vous.

La rétroaction

- Une fois la scène préparée pour l'action, prenez un recul et laissez-la se dérouler. Vous aurez peut-être à intervenir pour lever un objet lourd ou pour réorienter un jeu devenu dangereux, mais permettez aux enfants de résoudre leurs propres conflits. Quand vous entendez un argument, rappelez-vous que pour eux, le processus de trouver une entente sur comment jouer peut être plus important que le jeu lui-même.
- Respectez les efforts des enfants. Laissez-les découvrir eux-mêmes ce qui fonctionne et ce qui ne fonctionne pas. Ils ne peuvent apprendre à résoudre leurs propres problèmes si l'adulte le fait toujours à leur place.
- Laissez savoir aux enfants que leur jeu est important à vos yeux. Ne l'interrompez pas sans raison. Prévenez-les bien d'avance quand approche l'heure d'arrêter.
- Si vous observez une période de jeu particulièrement bien réussie, faites-en une histoire que vous raconterez aux enfants à l'heure du coucher. « Il était une fois un magicien qui portait une cape rouge. Il a dit des mots magiques et a transformé tous les enfants en souris. » Les enfants y reconnaîtront leur jeu et voudront le répéter un autre jour.

Nourrissez votre propre esprit du jeu. Encouragez l'enfant en vous!

par Betsy Mann avec les notes d'un atelier donné par Betty Jones de Pacific Oaks College en Californie.

*Simon Nicholson a écrit "How Not To Cheat Children: The Theory of Loose Parts" dans *Landscape Architecture*, 1971